ECHO OF HIS CALL

बुलावे की प्रतिध्वनि

HINDI

ECHO OF HIS CALL 1969-2019 GOLDEN JUBILEE (ECHO GROUP)

India's National Spiritual Newspaper

₹ 10/-

Published monthly in ENGLISH, TAMIL, MALAYALAM, TELUGU, HINDI, KANNADA, MARATHI, BENGALI, GUJARATI, ODIYA, ASSAMESE, PUNJABI, NEPALI, URDU, SINHALA & AFRIKAANS

Editor : S. SAM SELVA RAJ | 16 Languages | Associate Editor: Dorothy S. Thomas

Vol. XXVI | YEAR OF OUR LORD JESUS CHRIST, JUNE 2021 | No. 8

पवित्र बाइबल!

इन वचनों को याद करें परमेश्वर की स्तुति हो

भजन ९१:१-१०

१ जो परमप्रधान के छाए हुए स्थान में बैठा रहे, वह सर्वशक्तिमान की छाया में ठिकाना पाएगा।

२ मैं यहोवा के विषय कहूंगा, कि वह मेरा शरणस्थान और गढ़ है; वह मेरा परमेश्वर है, मैं उस पर भरोसा रखूंगा।

३ वह तो तुझ बहेलिये के जाल से, और महामारी से बचाएगा;

४ वह तुझे अपने पंखों की आड़ में ले लेगा, और तू उसके परों के नीचे शरण पाएगा; उसकी सच्चाई तेरे लिये ढाल और झिलम ठहरेगी।

५ तू न रात के भय से डरेगा, और न उस महारोग से जो दिन-दुपहरी में उजाड़ता है।

७ तेरे निकट हजार, और तेरी दाहिनी ओर दस हजार गिरेंगे; परन्तु वह तेरे पास न आएगा।

८ परन्तु तू अपनी आंखों से दृष्टि करेगा और दुष्टों के अन्त को देखेगा।

९ हे यहोवा, तू मेरा शरण्स्थान ठहरा है। तू ने जो परमप्रधान को अपना धाम मान लिया है,

१० इसलिये कोई विपत्ति तुझ पर न पड़ेगी, कोई दुःख तेरे डेरे के निकट आएगा।

परमेश्वर की भरपूरी से परिपूर्ण हो जाएं!

Be filled with the Fullness of God!

पा. एस. सैम सिल्वा राज द्वारा मुख्य गिरजाघर में दिया गया संदेश

"और मसीह के उस प्रेम को जान सको जो ज्ञान से परे है, ताकि तुम परमेश्वर की सारी भरपूरी तक परिपूर्ण हो जाओ" (इफिसियों ३:१९-१९)

कि वह अपनी महिमा के धन के अनुसार तुम्हें यह दान दे कि तुम उसके आत्मा से अपने भीतरी मनुष्यत्व में सामर्थ पाकर बलवन्त होते जाओ, और विश्वास के द्वारा मसीह तुम्हारे हृदय में बसे कि तुम प्रेम में जड़ पकड़कर और नेव डाल कर, सब पवित्र लोगों के साथ भली भांति समझने की शक्ति पाओ, कि उसकी चौड़ाई, और लम्बाई, और ऊंचाई, और गहराई कितनी है। और मसीह के उस प्रेम को जान सको जो ज्ञान से परे

...क्रमशः पृष्ठ ४...

A Loving Request To Our Dear Brothers & Sisters

As you are aware, we are hard-pressed to meet several needs like the salary of the staff, expenses for the purchase of paper and also the travel expenses. Generally we never ask others to meet our financial needs. But we request those who truly love this ministry to send their offerings through **Money Orders, Cheques or Demand Drafts, NEFT, PayPal (Sam Selva Raj, sam@echoofhiscall.org) PhonePe (98410 71858), Gpay (98410 71858), Western Union, MoneyGram** or through any other methods and support us in this Ministry. When you send your support please give an intimation to us by SMS, WhatsApp or Phone Call. We are so thankful to those who are supporting us. **The Lord will surely bless you.**

"... A brother is born for adversity".
Proverbs 17:17

- Editor, Echo of His Call
98412 71858 / 98410 71858
E.mail : sam@echoofhiscall.org

ECHO OF HIS CALL - (1969-2019 GOLDEN JUBILEE YEAR)

from your dearly beloved brother...

"तेरे पवित्र मन्दिर के उत्तम उत्तम पदार्थों से तृप्त होंगे।" भजन ६५:४

OUR MISSION POLICY

We should expound and teach the contemporary generation the undiluted teachings of the ancient and early Apostles. It is the need of the hour.

CHIEF EDITORS

Pastor S. Sam Selva Raj
Angeline Selvakumari Henry, M.A., M.Ed.

MANAGING EDITOR

Pastor Alex Samson Sam, B.Th., M.Div.

EDITORIAL BOARD

Sis. **Jesy Veena Sam**
Bro. **M. Paul Raj,** M.A., B.Ed.
Sis. **Serena Bevin,** M.A., M.Phil., B.Ed.

CORE ADVISORS

Aud. **K. Puratchivendan,** M.Com., B.L.
Er. **C.G.S. Babu Rao,** B.Tech., M.Tech (DM)
Dr. **S. Rabinder Boaz,** M.S.
Dr. **J.R. Jeyabalan**
Adv. **N. Balaji,** B.Com., B.L.
Sis. **Ajitha Mary,** M.A.

PUBLISHER, PRINTER & PROPRIETOR

Pastor S. SAM SELVA RAJ
Echo of His Call Printers
10, Mohammed Abdullah 2nd Street,
Chepauk, Chennai- 600 005, India.
Phone : (+ 91- 44) 2852 8282, 2852 9293, 2854 7766
Cell : (+91) 98410 71852, 95661 31858

E.Mail ID

sam@echoofhiscall.org
biblecor@yahoo.co.in

WEBSITES

www.echoofhiscall.org /
www.echoofhiscall.com

प्रभु में प्रिय भाई और बहन,

मैं अपने परिवार और सेवकाई के सदस्यों के साथ मिलकर हमारे प्रभु और उद्धारकर्ता यीशु मसीह का धन्यवाद और स्तुति करता हूं, जो अपने वचनों से समस्त विश्व को नियंत्रित करता है।

जी हां, परमेश्वर हमारे जीवन के हर पहलू में हमारे प्रति विश्वासयोग्य रहा है। वह हमारी सारी विपरित परिस्थितियों में अपने बल के द्वारा हमारी ज़रूरतों को पूरा करता है और हमें सामर्थ प्रदान करता है। जब पिछले महीने हमारे परिवार पर कोविड १९ का आक्रमण हुआ तब उसने हमारे परिवार की रक्षा की। हम अपने भाई और बहनों का धन्यवाद करते हैं जो हमारे साथ खड़े रहे और विपत्ति के समय में अपनी प्रार्थनाओं में हमें उठाकर रखा।

हम उन लोगों के लिए भी परमेश्वर का धन्यवाद करते हैं जो आगे आकर अपनी प्रार्थनाओं के द्वारा और सहायता के द्वारा हमारे साथ खड़े रहे ताकि हमारे एको ऑफ हिज़ कॉल सेवकाई की विभिन्न ज़रूरतें पूरी हों। हम विभिन्न प्रकार की आर्थिक मुश्किलों में से होकर गुज़र रहे हैं क्योंकि हमें विभिन्न प्रकार की ज़रूरतें पूरी करना है, जैसे, कर्मचारियों का वेतन, कागज़ खरीदी आदि। सामान्य तौर पर हम दूसरों से अपनी आर्थिक ज़रूरतों को पूरा करने के लिए नहीं कहते हैं। पर हम उन लोगों से बिनती करते हैं जो सचमुच इस सेवकाई से प्रेम करते हैं कि वे अपनी भेटों को मनिऑर्डर, चेक, डी.डी., नेफ्ट, पेपैल (sam selva raj, sam@echoofhiscall.org) फोन पे (9841071858), जी पे (9841071858), वेस्टर्न यूनियन, मनिग्राम के द्वारा इस सेवकाई में हमारी सहायता करते हैं या अन्य पद्धतियों से भी भेज सकते हैं। जब आप अपनी सहायता भेजते हैं, तब हमें एस.एम.एस., वाट्सऐप या फोन के द्वारा सूचित करें। हम उन लोगों का बहुत धन्यवाद करते हैं जो हमारी सहायता कर रहे हैं। प्रभु अवश्य आपको आशीष देगा।

इस समय, भारत सरकार ने हमारे ओवरसीज़ बैंक खाते बंद कर दिए हैं और हम नए बैंक अकाऊंट नम्बर की अपेक्षा कर रहे हैं। इसलिए जब तक कि आप हमसे नहीं सुनते, कृपा कर हमें अपनी सहायता भेजने के लिए निम्नलिखित बैंक खातों का उपयोग करें

SAM SELVA RAJ
STATE BANK OF INDIA
Triplicane Branch, Chennai
Account No : 10232 934679
IFSC Code: SBIN 0000 249
SWIFT Code: SBI NIN BB 455

हम आपसे बहुत प्रेम करते हैं कि हम खुश हैं कि आप पिछले ५० वर्षों से हमारे साथ हैं। इस कारण हम अपनी मासिक सेवकाई, बाइबल कोर डाक पाठ्यक्रम, ईश्वरविज्ञान पत्राचार पाठ्यक्रम, नहेम्याह बाइबल कॉलेजेस, कलीसियाएं आदि बिना रुकावट के जारी रख पाए।

हम आपसे सुनने की आशा रखते हैं। "धन्य है वह पुरुष जो यहोवा पर भरोसा रखता है, जिसने परमेश्वर को अपना आधार माना हो। वह उस वृक्ष के समान होगा जो नदी के तीर पर लगा हो और उसकी जड़ जल के पास फैली होय जब घाम होगा तब उसको न लगेगा, उसके पत्ते हरे रहेंगे, और सूखे वर्ष में भी उनके विषय में कुछ चिन्ता न होगी, क्योंकि वह तब भी फलता रहेगा।" यिर्मयाह १७:७,८

पहली लहर की तुलना में दूसरी लहर के रूप में कोविड १९ संक्रमण और भयावह और विनाश के साथ फैल रहा है। भारत, अमेरिका, ग्रेट ब्रिटेन, और अधिकांश यूरोपियन देश बुरी तरह से प्रभावित हुए हैं। दुख की इस घड़ी में हमारे पास प्रभु से प्रार्थना करने के अलावा दूसरा कोई उपाय नहीं है कि वह इस संक्रमण को तुरंत और हमेशा के लिए रोक दे।

हम प्रभु के पंखों के तले आपकी सुरक्षा के लिए लगातार प्रार्थना करते हैं। "हे यहोवा, महानदों का कोलाहल हो रहा है, महानदों का बड़ा शब्द हो रहा है, महानद गरजते हैं।" (भजन ९३:३)। परमेश्वर आपको आशीष दे!

मसीह में आपका सेवक,
एस. सॅम सिल्वा राज
98412 71858 / 98410 71858
E-mail: samselvaraj333@gmail.com

...पृष्ठ १ से आगे...

है, ताकि तुम परमेश्वर की सारी भरपूरी तक परिपूर्ण हो जाओ" (इफिसियों ३:१६-१९)

"ताकि हम आगे को बालक न रहें, जो मनुष्यों की ठग-विद्या और चतुराई से उनके भ्रम की युक्तियों की, और उपदेष की, हर एक बयार से उछाले, और इधर-उधर घुमाए जाते हों, वरन् प्रेम से सच्चाई से चलते हुए, सब बातों में उसमें जो सिर है, अर्थात् मसीह में बढ़ते जाएं" (इफिसियों ४:१५-१५)।

मसीही जीवन - पहला चरण

प्रभु यीशु मसीह को अपने उद्धारकर्ता के रूप में ग्रहण करना, बपतिस्मा लेना और कलीसिया में आना, ये सभी बातें मसीही जीवन का पहला कदम हैं। कई लोग इस कदम के साथ रुक जाते हैं। वे मसीही होने की सारी बाहरी औपचारिकताओं का पालन करते हैं। नाममात्र मसीही जीवन, जैसे औसत मसीही बिताते हैं, बिताना हमेशा खतरनाक होता है। यह किसी भी क्षण विपत्ति ला सकता है। यही कारण है कि हमें दूसरे चरण की ओर बढ़ना है। बाइबल कहती है कि अब हमें बच्चे नहीं रहना है और सारी बातों में मसीह में जो सिर है बढ़ते चले जाना है (इफिसियों ४:१४,१५)। जहां पर बढ़ौत्तरी नहीं होती वहां अवरोध होता है और अंततः सड़ाहट उत्पन्न होती है। परमेश्वर ने हमें बड़े उद्देश्य के साथ बुलाया है, उसने हमें एक झुण्ड के रूप में नहीं बुलाया है। परमेश्वर ने मूर्तिपूजकों के बीच से अब्राहम को बुलाया और उसमें सारे राष्ट्रों को आशीषित करने से वह बहुत प्रसन्न था। उसने आपको और मुझको बड़ी बेदारी के लिए चुना है। इसलिए, पहले एक कदम के बाद, हम अपने आपको पूर्ण रूप से प्रभु के सामने समर्पित करें और मसीह के लिए जीने और मसीह के लिए कार्य करने के कुछ मज़बूत निर्णय लें।

मसीही जीवन - दूसरा चरण

दूसरे चरण में, हम उसे अपने सिर के रूप में स्वीकार करते हैं, उसमें जड़ पकड़ते और बढ़ते जाते हैं और विश्वास से दृढ़ होते हैं। हमें अपने दर्शन, अपने अनुभव और हमने पाए हुए ज्ञान के द्वारा उन्नति करना है। आत्मा स्पष्ट रूप से कहता है कि हमें बढ़ने वाले बच्चों के समान होना है। परमेश्वर का संदेश जो मैं आपके साथ बांट रहा हूं, आपके आत्मिक जीवन को मज़बूत करेगा और इस संसार में उसके लिए बड़ी बातें करने का अवसर प्रदान करेगा।

१. उसमें जड़ पकड़ते हुए

"इसलिए जैसे तुमने मसीह यीशु को प्रभु करके ग्रहण कर लिया है, वैसे ही उसी में चलते रहो। और उसी में जड़ पकड़ते और बढ़ते जाओ; और जैसे तुम सिखाए गए वैसे ही विश्वास में दृढ़ होते जाओ, और अत्यन्त धन्यवाद करते रहो" (कुलुस्सियों २:६,७)

मसीही जीवन पाखण्डी बाहरी जीवन नहीं है। मसीही जीवन ऐसा जीवन है जो बदलता है, प्रतिदिन बदलाव महसूस करता है और पेड़ के समान बढ़ने के प्रति समर्पित होता है। जब हम मिट्टी में एक पौधा लगाते हैं, तो वह मिट्टी से पानी और अन्य पोषण प्राप्त करता है और हवा और सूर्यप्रकाश लेते हुए, वह पूर्ण बढ़ौती को पाता है। उसी तरह, जिस मसीही व्यक्ति ने प्रभु यीशु मसीह को ग्रहण किया है उसे मसीह में गहराई से अपनी जड़ें पकड़ना है। एक बार जब आप मसीह में गहराई से जड़ पकड़ते हैं, तो आप संसार में किसी भी चुनौती का और आंधी-तूफान का सामना कर सकते हैं और वह आप पर अधिकार नहीं रख पाएंगे। आप जीवन के सारे संघर्षों, कठिनाइयों, विश्वासघात और संदेह को पराजित कर पाएंगे। पौधे को आवश्यक पोषण पाने हेतु अपनी जड़ों को गहराई में भेजना होता है। वैसे ही, हमें परमेश्वर के ज्ञान में गहराई से बढ़ते चले जाना है। डाली को मज़बूती से दाखलता प्रभु यीशु मसीह में कलम किए जाना है।

जितना अधिक हम प्रभु यीशु मसीह की उपस्थिति में बांट जोहते रहेंगे, उतना अधिक हम प्रभु में जड़ पकड़ेंगे। जितना ज्यादा हम परमेश्वर के वचन (पवित्र बाइबल) से प्रेम करेंगे, उसे पढ़ेंगे और हमारे जीवन में उस पर अमल करेंगे, उतने ज्यादा हम मसीह में जड़ पकड़ेंगे। हमें अपनी बाइबल से प्रेम करना है और उसे गले से लगाना है। उसे रखने के लिए हमारे पास एक उचित स्थान होना चाहिए। हम अपना पैसा तिजोरी में और सुरक्षित स्थान में रखते हैं। बाइबल को नाशमान पैसों से अधिक बड़ा महत्व दिया जाना चाहिए। हम मसीह में जड़ पकड़े हुए लोगों को दो हिस्सों में बांट सकते हैं :

१. वे लोग जो अपने जीवन को उसके लिए समर्पित करते हैं।

२. जो लोग अपने दुख को प्रभु के अधीन करते हैं।

जिसने अपने जीवन को परमेश्वर को समर्पित किया है और अपनी खुद की इच्छाओं को और उसके भविष्य की पूरी योजना को उसके अधीन कर दिया है, तो वही है जिसने प्रभु में जड़ पकड़ा है। आपने जिस हद तक मसीह में जड़ पकड़ा है, उसी हद तक आप अपने जीवन को प्रभु को समर्पित करेंगे और परमेश्वर की योजना पर निर्भर रहेंगे कि आप प्रभु के चलाए चलें। पौधा तभी बढ़ सकता है जब वह एक ही स्थान में हो और उसे उचित पोषण दिया जाता है। यदि हम पौधे को बार-बार उखाड़ते हैं और उसे दूसरे स्थान में लगाते हैं, तो उसकी बढ़ौतरी रुक जाएगी। हमारे जीवनों में भी आत्मा के स्थायी वरदानों को पाने के लिए और वास्तविक उन्नति पाने के लिए हमें परमेश्वर को मज़बूती से थामना होगा।

"इसलिए हे भाइयो, मैं तुमसे परमेश्वर की दया स्मरण दिला कर बिनती करता हूं, कि अपने शरीरों को जीवित, और पवित्र, और परमेश्वर को भावता हुआ बलिदान करके चढ़ाओ; यही तुम्हारी आत्मिक सेवा है। और इस संसार के सदृष न बनो, परंतु तुम्हारी बुद्धि के नए हो जाने से तुम्हारा चाल-चलन भी बदलता जाए, जिससे तुम परमेश्वर की भली, और भावती, और सिद्ध इच्छा अनुभव से मालूम करते रहो" (रोमियों १२:१,२)।

सबसे पहले यदि आपने प्रभु में जड़ पकड़ी है, तो अपने शरीरों को जीवित बलिदान के रूप में प्रस्तुत करें, अर्थात अपने जीवन को पूर्ण रूप से परमेश्वर समर्पित करें। दूसरी बात, इस संसार के सदृश्य न बनें, परंतु अपनी इच्छाओं और आकांक्षाओं को उसके अधीन करें। हमें दूसरों को अपना आदर्श नहीं समझना है और हमारे जीवनों में उनके रीतियों का अनुसरण नहीं करना है। आपको यीशु मसीह को अपना आदर्श मानना है। जो जीवन मसीह में दृढ़ है वह ऐसा ही जीवन पाएगा। तभी आप अपने आपको बदल सकते हैं ताकि दूसरों को फल दे और आशीष बने और एक संतोषपूर्ण जीवन बिताएं।

वर्तमान संसार में, हम में से अधिकांश लोगों का एक नित्यक्रम का जीवन होता है। हम सुबह उठते हैं और छोटी सी प्रार्थना करते हैं, अपने सुबह के कामों को पूरा करते हैं, कुछ खाते हैं, काम पर जाते हैं, फिर प्रार्थना करते हैं और फिर सो जाते हैं। हमारे पास बाइबल पढ़ने का समय नहीं होता, आराधना का समय नहीं होता, परमेश्वर और उसके अद्भुत मार्गों के बारे में सोचने का समय नहीं होता। हम रविवार के दिन पवित्र जीवन बिताते हैं, परंतु सप्ताह के बाकी दिन नहीं। यह खतरनाक बात है। केवल रविवार के दिन हम प्रभु को पुकारते हैं और उसकी आराधना करते हैं। जीवन का यह तरीका परमेश्वर को प्रसन्न नहीं करता। यह बाहरी संसारिक जीवन है, यह पाखण्डी जीवन है। आज के मसीही ऐसे जीवन से संतुष्ट हैं। यह काफी नहीं है। आपको यीशु मसीह में गहराई से जड़ पकड़ना है।

बाइबल पर आधारित किताबें पढ़ना अच्छी बात है, परंतु ये किताबें बाइबल की जगह न लेने पाएं, परंतु केवल और पढ़ने के लिए मार्गदर्शक हों। जिस व्यक्ति ने बाइबल के आधार पर ध्यान पर प्रतिदिन की किताब लिखी है वह अपने खुद के अनुभव से कुछ लिखता है। परंतु यह उस दिन के लिए पर्याप्त नहीं है। वह केवल बाइबल के बारे में किताब है और बाइबल के रहस्यों को जानने के लिए है। केवल यह किताब पढ़कर आपके आत्मिक जीवन में उन्नति करना पर्याप्त नहीं है।

कुछ लोगों को इस प्रकार की किताबें पढ़कर संतोष होता है, अन्य कुछ लोग दफ्तर जाने से पहले कैलेन्डर पर छपा वचन पढ़ते हैं। अन्य कुछ लोग बाइबल खोलकर एक वचन पढ़ते हैं और वे कहते हैं कि उन्होंने बाइबल पढ़ ली। यदि आप इस प्रकार का पाखण्डी जीवन बिता रहे हैं, तो एक दिन आएगा, और आप उस दिन धोखा खाएंगे। परीक्षा लेने के द्वारा परीक्षा के समय जब आपके जीवन में आंधी आएगी, जब क्या करना चाहिए यह न जानकर आप लड़खड़ाएंगे, तो आप हानि अनुभव करेंगे क्योंकि आपने प्रभु में गहराई से जड़ नहीं पकड़ी है।

यदि आपको दिन में सुविधाजनक समय नहीं मिलता, तो सुबह ही प्रभु की उपस्थिति में शांति से बैठें और बाइबल से कम से कम एक अध्याय पढ़ें और जो कुछ आपने पढ़ा है उस पर मनन करें। "यहोवा मेरा चरवाहा है" इस भाग को पढ़ते समय ये सवाल पूछें, क्या मैं प्रभु के सामने मेम्ना हूं? क्या मैं उस मार्ग का अनुसरण कर रहा हूं जो परमेश्वर ने मुझे दिखाया है?

आज शैतान ने मसीहियों को अपने हाथों में पकड़ा है और उन्हें प्रार्थना करने नहीं देता या परमेश्वर के वचन को महत्व देने नहीं देता। आपको परमेश्वर के साथ मिलकर बाइबल पढ़ना है और कहना है, "हे प्रभु! कृपा करके मुझे बताईये कि मेरे जीवन का कौन सा हिस्सा बदलना चाहिए? मेरी कमियां क्या हैं? मेरी गलतियां क्या है? मेरा पाप बताईये। मैं किस दिशा में जा रहा हूं? मेरे आगे बढ़ने के लिए

Echo of His Call Postal Courses

1. BIBLECOR

We offer a Postal Course on Basic Truths of The Bible to new Christians and non-Christians in English, Hindi & Tamil. You will get a course book entitled **New Life – For You!** with about 70 pages. After the completion of this course, you will get a certificate. **There will be no compulsory fees**. This courses is for candidates in India only.

2. THEOLOGICAL CORRESPONDENCE COURSE

Advanced Distance Education called **Theological Correspondence Course** is available for Pastors, Evangelists and Christian Leaders! A fee of Rs. 1000/- is charged. 7 Books with 142 Chapters are supplied. **Certificate in Ministry** will be awarded.

For more details, write to us.

The Chairman, Nehemiah Bible College,
Echo of His Call, 10, Mohammed Abdullah 2nd Street, Opp. Cricket Stadium, Chepauk, Chennai - 600 005, India.
Ph.: (044) 2852 8282, 2852 9293, 2854 7766,
Cell : 98410 71852, 95661 31858
E-mail : biblecor@yahoo.co.in

महान आदेश के भागी

✵ भार उठना (गलातियों ६:२), ✵ सहायता करना (रोमियों १२:१३) और ✵ चमकाना (२ तीमुथियुस १:६)

स्तुति और प्रार्थना निवेदन

१६ मई २०२१ से १८ जून २०२१ तक

(कृपया इस पृष्ठ को फाड़िये, घड़ी कीजिए और उसे अपनी बाइबल में रखकर निरंतर प्रार्थना कीजिए।)

स्तुति विषय

मई १६ संसार के सारे राष्ट्रों पर परमेश्वर की भरपूर आशीषों के लिए उसकी स्तुति करें।

मई २० : पिछले माह हमारे सारे खर्च को पूरा करने हेतु परमेश्वर ने जो दया दिखाई उसके लिए परमेश्वर की स्तुति हो।

मई २१ : कार्यक्षेत्र में सेवारत् हमारे मिशनरियों और उनके परिवारों की रक्षा करने के लिए परमेश्वर की स्तुति करें।

मई २२ : तालाबंदी से पहले पिछले माह की मुख्य गिरजाघर की गतिविधियों और रविवार की आराधना सभाओं के लिए परमेश्वर की स्तुति करें।

मई २३ : राज्य समन्वयकों और उनके परिवारों के लिए परमेश्वर की स्तुति करें।

मई २४ : हमारे **एको ऑफ हिज़ कॉल** के सहायक सम्पादकों और उनके परिवारों के लिए परमेश्वर की स्तुति हो।

मई २५ : हम अपने प्रार्थना सहभागियों, शुल्क सहभागियों, विश्वास के सहभागियों, आजीवन प्रतिभागियों, महान आदेश प्रतिभागियों और उनके परिवार के सदस्यों के लिए प्रभु की स्तुति करें।

मई २६ : हमारे मुख्य गिरजाघर और शाखा कलीसियाओं के पास्टरों और वरिष्ठ सदस्यों के लिए परमेश्वर की स्तुति करें।

मई २७ : परमेश्वर ने हमारे मुख्य गिरजाघर में नए लोगों को भेजकर आशीषित किया।

मई २८ : हमारे **गॉस्पल प्रिंटिंग प्रेस** और उसके कुशल कर्मचारियों के साथ उसके लगातार कार्य के लिए।

मई २६ : हमारे **सेन्ट पॉल्स मैट्रिकुलेशन स्कूल** के प्रधानाचार्य, अध्यापक और कर्मचारियों के लिए परमेश्वर की स्तुति करें।

मई ३० : परमेश्वर ने १७ भाषाओं में प्रकाशित हमारे **एको ऑफ हिज़ कॉल** सुसमाचार साहित्य को आशिषित किया जो हमारे गॉस्पल प्रिंटिंग प्रेस में छपकर मिशन क्षेत्रों में भेजे जा रहे हैं।

जून १ : हमारे **बाइबल कोर** और **ईश्वरविज्ञान पाठ्यक्रमों** के लिए और विद्यार्थी देने हेतु परमेश्वर का धन्यवाद करें।

जून २ : हमें हर समय हर प्रकार की कठिनाइयों से बचाने के लिए।

जून ३ : हमारा प्रभु हमारे वरिष्ठ पासबान एस. सैम सिल्वा राज और उनके परिवार के सदस्यों की सारी बुरी शक्तियों से रक्षा कर रहा है।

प्रार्थना विषय

जून ४ : हमारे मासिक खर्च के लिए परमेश्वर से प्रार्थना करें।

जून ५ : इस माह की सेवा की गतिविधियों और विस्तार के लिए प्रार्थना करें।

जून ६ : हमारे कर्मचारी और छपाई सहायकों को उनके काम के समयों में हमारे आवास में सुरक्षित और स्वस्थ रखने के लिए।

जून ७ : सेवा की गतिविधियों में हमारे सहभागियों के लिए और हमारे **एको ऑफ हिज़ कॉल** के राज्य समन्वयकों के लिए प्रार्थना करें।

जून ८ : सेवकाई के विस्तार के लिए और विश्वव्यापी स्तर पर सुसमाचार के प्रचार के लिए।

जून ६ : हम अपने अंग्रेजी सहायक संपादक भाई पॉल राज की पूर्ण चंगाई के लिए प्रार्थना करें। हमारे सुसमाचार छापखाने को सुरक्षित और उत्तम स्थिति में रखने के लिए प्रार्थना करें।

जून १० : भारत के अनपहुंचे स्थानों में सुसमाचार का प्रचार करने हेतु हमें सक्षम बनाने के लिए परमेश्वर से प्रार्थना करें।

जून ११ : नशील पदार्थों का सेवन करने वाले और बुरे काम करने वालों के पूर्ण छुटकारे के लिए प्रार्थना करें।

जून १२ : सारे राष्ट्रों के मध्य एकता और शांति के लिए प्रार्थना करें।

जून १३ संसार की सारी कलीसियाएं मज़बूत रहें।

जून १४ : कोविड-१६ के मध्य **एको ऑफ हिज़ कॉल** के हर एक व्यक्ति को सुरक्षित और स्वस्थ रखने के लिए परमेश्वर से प्रार्थना करें।

जून १५ : संसार से कोरोना संक्रमण पूरी तरह से दूर हो जाए इसलिए प्रार्थना करें।

जून १६ : हमारे मुख्य गिरजाघर और शाखा कलीसियाओं के सभी सदस्य के लाभ के लिए प्रार्थना में याद रखें।

जून १७ : समस्त संसार की स्त्रियों और बच्चों की सुरक्षा के लिए।

जून १८ : हमारे वरिष्ठ पासवान एस सैम सेल्वाराज और उनके परिवार के सदस्यों को सारी बुरी शक्तियों से सुरक्षा मिलने और उनके सुरक्षित जीवन के लिए परमेश्वर से प्रार्थना करें।

...पृष्ठ ४ से आगे...

कौन सी दिशा सही है? मेरे जीवन की समस्याओं के लिए आपका वचन क्या बताता है? बाइबल आपको परमेश्वर के दास की तुलना में अधिक निश्चित रूप से बताएगी। हालेलुय्याह!

"चौकस रहो कि कोई तुम्हें उस तत्व-ज्ञान और व्यर्थ धोखे के द्वारा अहेर न करे ले, जो मनुष्यों के परम्पराई मत और संसार की आदि शिक्षा के अनुसार हैं, पर मसीह के अनुसार नहीं" (कुलुस्सियों २:८)।

अतः इस संसार के धोखे और मनुष्यों के तत्वज्ञान के अनुसार, आज, कई लोगों का जीवन बर्बाद हो रहा है। जब आप नियमित रूप से बाइबल पढ़ते हैं, प्रत्येक अध्याय, प्रत्येक वचन, तब पवित्र आत्मा आपसे बात करेगा। आपको किसी की मदद की या अपना भविष्य जानने के लिए किसी स्थान में जाने की ज़रूरत नहीं है। उसमें जड़ पकड़ें। खाली धोखे से सावधान रहें।

२. उसमें बढ़ते जाओ

बाइबल कहती है, **"और उसी में जड़ पकड़ते और बढ़ते जाओ"** (कुलुस्सियों २:७)।

हमें यीशु मसीह पर बढ़ते जाना है। हमें उसी पर बढ़ते जाना है और बनते जाना है।

"मसीह के वचन को अपने हृदय में अधिकाई से बसने दो; और सिद्ध ज्ञान सहित एक दूसरे को सिखाओ, और चिताओ, और अपने अपने मन में अनुग्रह के साथ परमेश्वर के लिये भजन और स्तुतिगान और आत्मिक गीत गाओ" (कुलुस्सियों ३:१६)।

हम में से कितने लोग प्रभु की स्तुति करने के लिए आनंद के साथ गाते हैं। हमें एक साथ दृढ़तापूर्वक बढ़ते जाना है। जो हमारी ओर देखते हैं वे कहने पाएं कि हम परमेश्वर की संतान हैं। हमें एक साथ बढ़ते जाना है ताकि हम जिन लोगों के साथ रहते हैं वे हम में परमेश्वर के प्रेम को देख सकें। परमेश्वर में भय रखने वाला मनुष्य इस तरह से आशीष पाएगा। हमें उस पर बढ़ते जाना है - ताकि हम दूसरों की सेवा कर सकें, दूसरों की मदद कर सकें, और दूसरों को सिखा सकें। तब हम दूसरों के लिए आशीष बनेंगे। आज अधिकांश लोगों का जीवन खुद पर बना है, उनकी अपनी इच्छाओं पर बना है और प्रभु पर नहीं। इसलिए उनके जीवन में फल नहीं हैं, बढ़ने का कोई रास्ता नहीं है। जब हम सही समय पर बढ़ते नहीं, तब हम असफलताओं का सामना करते हैं।

जब आपके जीवन में कोई मुश्किल आती है तभी परमेश्वर की ओर देखना खतरनाक बात है। जब आपके जीवन में सबकुछ ठीक होता है, तब आपको परमेश्वर से प्रेम करना है। यदि आप ऐसा करेंगे, तो आप उस पर बढ़ते जाएंगे। जब व्यक्ति को जीवन में सुख मिलता है, तब वह प्रभु को भूल जाता है। वह गिरजाघर जाना बंद कर देता है। सारे सुख पाने के बाद यदि आप परमेश्वर को तुच्छ जानते हैं, तब विपत्ति आने पर कोई भी आपकी मदद नहीं करेगा। हमें कभी इस बात को नहीं भूलना है, प्रभु ने हमारे लिए ऐसी कोई बात तय की है जिसे हमारी आंखें देख नहीं सकती। इस संसार की सारी बातें नाश होने वाली हैं, परंतु हमारे लिए जो ठहराया गया है वह अनंतकालिक है। हमें इस बात को नहीं भूलना है।

आपके पास पवित्र आत्मा का अभिषेक है और आप परमेश्वर का मंदिर हैं। आपके सेवा के कार्य का क्या? जिन्होंने अपने जीवनों का त्याग करने की इच्छा व्यक्त की, सुसमाचार का प्रचार करने के लिए, वे आज अपनी सेवकाइयों से दूर भाग रहे हैं। जब ज़रूरत थी तब उन्होंने परमेश्वर पर विश्वास किया और जब उनकी ज़रूरतें पूरी हो गई, तब वे प्रभु की सेवा से दूर भाग गए। कुछ माता-पिता चिंतित हैं क्योंकि उनके बच्चे उनके आज्ञा को नहीं मानते।

उनकी अवज्ञा का कारण उनके माता-पिता हैं। बाइबल कहती है कि जब आप बाइबल को भूल जाएंगे, तब प्रभु आपके बच्चों को भूल जाएगा (होशे ४:६)। आज अधिकांश परिवारों में समस्या उनकी बच्चे हैं। जब आपके बच्चे छोटे थे तब आप उन्हें अपनी गोद में लेकर गिरजाघर आए। परंतु जब वे बड़े हो गए हैं तो उन्हें आपका अनुसरण करना चाहिए। यदि यह परिस्थिति आपके परिवार में नहीं है, तो कहीं न कहीं, कुछ न कुछ गलत हो गया है। आप परमेश्वर की संतान हैं। आपको अपने बच्चों को भी प्रभु के मार्गों में बढ़ाना है। तब आशीषें आपके बच्चों का भी अनुसरण करेगी।

३. उसके साथ चलना

"...ताकि तुम्हारा चाल-चलन प्रभु के योग्य हो, और वह सब प्रकार से प्रसन्न हो, और तुम में हर प्रकार के भले कामों का फल लगे, और परमेश्वर की पहिचान में बढ़ते जाओ" (कुलुस्सियों १:१०)।

आपको परमेश्वर के लिए पात्र बनना है और ऐसा जीवन बिताना है जो उसे प्रसन्न करे। पापियों के मार्ग पर न चलें। प्रभु के मार्ग में बढ़ें। अपने आपको परमेश्वर के अधीन करें। उस स्थान में न जाएं जहां पर गलत काम हो रहे हैं। अपने बच्चों को भी ऐसे स्थानों में न जाने दें। यदि आप जाते हैं, तो ऐसा दिन आएगा जब आप प्रभु को पुकारेंगे कि वह आपको बचा ले। आप रोएंगे। इसलिए जब परमेश्वर आपको चिता रहा है, तो आप परमेश्वर के साथ चलना सीखें। परमेश्वर के साथ कुछ कामों को करने की आदत बना लें। भजन १:१ साफ तौर पर कहता है, "क्या ही धन्य है वह पुरुष जो दुष्टों की युक्ति पर नहीं चलता, और न पापियों के मार्ग में खड़ा होता; और न ठट्ठा करने वालों की मण्डली में बैठता है!" ऐसे व्यक्ति की न सुनें जो मसीह को नहीं जानता। तुम्हें ऐसे मनुष्यों के साथ नहीं चलना है, अधर्मियों के साथ नहीं चलना है, संसार के साथ नहीं चलना है, न ही ऐसे मित्रों के साथ, परंतु केवल मसीह के साथ चलना है।

४. आपके विश्वास में दृढ़ होना

परिस्थिति अच्छी हो या बुरी, हमें अपने विश्वास में दृढ़ बने रहना है। जब परिस्थितियां अच्छी होती हैं तब अपने विश्वास में दृढ़ रहना

आसान होता है। शायद वहां विश्वास की ज़रूरत भी नहीं होती। परंतु भले ही अब्राहम एक अत्यंत असम्भवनीय परिस्थिति में था, फिर भी वह विश्वास का खम्बा था। परमेश्वर ने उसे ऐसे समय में बेटा देने की प्रतिज्ञा की जब वह ७५ वर्ष का हो चुका था और ९९ का होने तक इंतज़ार करता रहा। वह कुड़कुड़ाया नहीं। उसने पूर्ण विश्वास के साथ परमेश्वर पर भरोसा किया। उसने विश्वास किया कि जब परमेश्वर ने कोई बात विशेष रूप से कही है, तो वह पूरी होगी। आपको भी दृढ़ खड़े रहना सीखना है भले ही उस उद्देश्य के लिए जिसे आपको बुलाया गया है, आपको अकेले खड़ा रहना होगा।

आज के मित्र कल के शत्रु हो सकते हैं। इसलिए अपने दोस्तों पर या पैसे पर भरोसा न रखें। केवल प्रभु में विश्वास करें। अपने विश्वास में बने रहने का यही एकमात्र तरीका है।

५. विश्वास में बढ़ते जाएं

अब आप बालक नहीं हैं। विश्वास में बढ़ें। आपको विश्वास में न हिलने वाले कामों को करने की क्षमता होनी चाहिए। हमें बड़े कामों को करने की क्षमता होनी चाहिए और हमारे विरोध में आने वाली दुष्ट सेनाओं पर विजय पाना है। बाइबल अब्राहम, नूह और हमारे कुछ पुरखाओं के विषय में बताती है कि वे विश्वास में बढ़ें। वे विश्वास के महान जन बन गए।

"मैं तुम से सच सच कहता हूं, कि जो मुझ पर विश्वास रखता है, ये काम जो मैं करता हूं वह भी करेगा, वरन इन से भी बड़े काम करेगा, क्योंकि मैं पिता के पास जाता हूं" (यूहन्ना १४:१२)।

परमेश्वर के लिए, पांच हज़ारों को खिलाने के लिए दो मछलियां और पांच रोटियां काफी थी। इसलिए हमारे लिए पैसा खोजते जाना आवश्यक नहीं है। उसकी ज़रूरतें पूरी होगी। जिस दिन का दुख उस दिन के लिए काफी है (मत्ती ६:३४)। जब आप विश्वास में बढ़ते हैं, तब आप बड़े कामों को कर सकते हैं।

"तुम ने मुझे नहीं चुना परन्तु मैं ने तुम्हें चुना है और तुम्हें ठहराया ताकि तुम जाकर फल लाओ; और तुम्हारा फल बना रहे, कि तुम मेरे नाम से जो कुछ पिता से मांगो, वह तुम्हें दे" (यूहन्ना १५:१६)।

कृपा करके यह न सोचें कि आपने परमेश्वर को चुना। नहीं, आपने परमेश्वर को नहीं चुना; परंतु परमेश्वर ने आपको चुना। इसलिए विश्वास के महान जन बनें!

एक अकेला जीवन

नए नियम की "हैण्डबुक" - रेव्ह. डिक वूडवर्ड

उसका जन्म एक अज्ञात देहात में हुआ था और वह एक किसान स्त्री का बेटा था।

तीस वर्ष की उम्र तक वह बढ़ई की दुकान में काम करता रहा, और उसके बाद तीन वर्षों तक, वह देश भी की यात्रा करता रहा, बीच-बीच में काफी समय तक रुककर लोगों के साथ बातें करता और उनकी सुनता और जहां सहायता की ज़रूरत पड़ती थी वहां वह उनकी सहायता करता था।

उसने कभी कोई किताब नहीं लिखी
कई कोई रिकार्ड कायम नहीं किया
वह कभी कोई कॉलेज नहीं गया
कभी कोई दफ्तर नहीं चलाया

उसने कभी परिवार नहीं बसाया और न घर बनाया

उसके कभी ऐसे कोई काम नहीं किए जिनके साथ सामान्य तौर पर महानता होती है

उसके पास उसके खुद को छोड़ दूसरा कोई प्रमाण नहीं था।

लेकिन जब वह केवल तैंतीस वर्ष का हो गया, तब लोगों की राय का सैलाब उसके खिलाफ हो गया, और उसके दोस्तों ने उसे त्याग दिया।

जब उसे कैद हुई तब बहुत कम थे जो उसके लोगों के जीवनों को छू लिया। शास्त्री और फरीसियों से बोलते समय उसने कहा कि यूहन्ना बपतिस्मा करने वाले के प्रचार से पश्चाताप करने वाले चूंगी लेने वाले और वेश्याएं उनसे पहले परमेश्वर के राज्य में प्रवेश करेंगी! वह उनसे कहना चाहता था, "तुम्हारे व्यवसाय, तुम्हारे सारे बाहरी दिखावे, तुम्हारे 'आत्मिक प्रतिष्ठा के प्रति' आपको स्वर्ग में स्थान का आश्वासन नहीं देते। महत्वपूर्ण यह है कि आप अपने जीवन किस प्रकार बिताते हैं इस तथ्य को दर्शाता है कि परमेश्वर आपका राजा नहीं है, और आप उसकी वफादार प्रजा नहीं हैं, जो उसकी दाख की बारी में काम करती है, पृथ्वी पर उसकी इच्छा वैसे ही पूरी करती है जैसे स्वर्ग में पूरी होती है।"

यहां पर दूसरा विचार जो प्रत्येक अनुभवी पासबान के लिए स्पष्ट है, वह यह है कि कभी कभी जो बाहरी तौर पर पापी दिखाई देते हैं, उनके व्यवसाय के संदर्भ में, वे उन लोगों की तुलना में राज्य के काफी निकट हैं जो धर्म का बाहरी दिखावा करते हैं।

विश्वास के अंगीकार, सम्प्रदाय और ईश्वरविज्ञान पर आवश्यकता से अधिक ज़ोर देता है। बड़ा विषय प्रतीत होता है, "क्या आपने वह निर्णय लिया या अंगीकार किया? क्या आप कलीसिया में शामिल हुए, या निर्णय पत्र पर हस्ताक्षर किए? क्या आप जानते हैं कि आप राज्य के उन लोगों के साथ निश्चित तौर पर कहां पर असहमत हैं जो उस बात पर विश्वास नहीं करते जिस पर आप विश्वास करते हैं?" कुछ विश्वासी यह प्रभाव डालते हैं कि न्याय ईश्वरविज्ञान पर एक बड़ी "अंतिम परीक्षा" होगी। परंतु यीशु हमें बताता है कि न्याय के समय विषय होगा क्या आपने भूखों को खिलाया, क्या आपने बीमारों को भेंट दी और जो कैद में थे उन्हें, क्या आपने अकेलेपन से परेशान व्यक्ति का आतिथ्य किया, क्या आपने नंगों को कपड़े पहनाए, या प्यासे को ठंडे पानी का प्याला दिया (मत्ती २५)? उसने हमें पहाड़ की चोटी पर बताया कि कइयों का जब न्याय होगा, तब वे "प्रभु प्रभु" कहेंगे, परंतु वह उन्हें जाने के लिए कहेगा, क्योंकि वह

...क्रमशः पृष्ठ 10...

यह आपकी सेवकाई है! इसे परमेश्वर की महिमा के लिए करें!! हमें और पाठकों की ज़रूरत है!!!

नीचे आपके मित्रों और रिश्तेदारों के कम से कम दस नाम, पते, ई-मेल ॲड्रेस और सेल फोन नंबर लिखें। हम उन्हें हर माह विनामूल्य भेंट के रूप में **एको ऑफ हिज़ कॉल मासिक** भेजेंगे।

1. _____

_____

2. _____

_____

3. _____

_____

4. _____

_____

5. _____

_____

6. _____

_____

7. _____

_____

8. _____

_____

9. _____

_____

NEHEMIAH BIBLE COLLEGES Estd.:1992

ECHO OF HIS CALL MINISTRIES (ESTD.: 1969)

Recognised by the International Christian Leaders & Senior Pastors for the 50 Years!

Applied for ATA accreditation

RESIDENTIAL COLLEGE, Velachery
(Medium: English & Hindi)
Course : Certificate Course / Diploma in Theology
Qualification : 10th Standard

EVENING COLLEGE, Chepauk & Santhoshapuram
(Medium : Tamil)
Course : Certificate Course / Diploma in Theology
Monday, Tuesday & Thursday at 6.30 p.m. to 8.30 p.m.
(Evening Classes - Chepauk)
Qualification : 10th Standard

C.Th. - One Year
D.Th. - Two Years

Classes Start on : 01-08-2021

Golden Opportunity! Don't miss!! God is Calling you!!!

For more Details & Application Forms Please Contact:
Pastor S. Sam Selva Raj, Founder - President
Nehemiah Bible College
10, Mohammed Abdullah 2nd Street, Bells Road, Opp. Cricket Stadium, Chepauk, Chennai - 600 005, India.
Phone : (+91-44) 2852 8282, 2852 9293, 2854 7766, Cell No : (+91) 98410 71852 95661 31858
E.Mail : sam@echoofhiscall.org / biblecor@yahoo.co.in Website : www.echoofhiscall.org / www.echoofhiscall.com

खाई से महल तक

(पास्टर एस. सॅम सेल्वा राज के जीवन अनुभव)

"जो पढ़े वह समझे" मत्ती २४:१५

"फिर इसहाक ने उस देश में जोता बोया, और उसी वर्ष में सौ गुना फल पाया और यहोवा ने उसको आशीष दी" (उत्पत्ति २६:१२)।

"बीमारों को चंगा करो, मरे हुओं को जिलाओ, कोढ़ियों को शुद्ध करो, दुष्टात्माओं को निकालो। तुमने सेंतमेंत पाया है, सेंतमेंत दो।" मत्ती १०:८

हाल ही में एक गैरमसीही जवान व्यक्ति मेरे पास आया और कहने लगा कि उसकी चालीस वर्ष उम्र की बूढ़ी मां बहुत लम्बे समय से एक गम्भीर बीमारी से जुझ रही थी और सारे आत्मिक तथा वैद्यकीय प्रयास व्यर्थ साबित हुए थे। उसने यह भी कहा कि डॉक्टरों ने उसे छोड़ दिया क्योंकि अब तक उसे जो दवाई दी गई और सर्जरी की गई वह व्यर्थ रही। उनके पास खर्च करने के लिए और पैसा नहीं था। परंतु उस स्त्री का दुख दिन-ब-दिन बढ़ता जा रहा था। उस जवान ने मुझ से बिनती की कि मैं उसके साथ अस्पताल जाकर उसकी मां के लिए प्रार्थना करूं।

भले ही मैं अपने प्रचार के कार्य में बहुत व्यस्त था, फिर भी मैं समय निकालकर अस्पताल गया। वह गम्भीर हालत में थी, इसलिए मुझे वॉर्ड के भीतर जाने की अनुमति नहीं दी गई, इसलिए मैंने उसके रिश्तेदारों से कहा कि मैं अपने गिरजाघर में जाकर प्रार्थना करूंगा। परंतु उस परिवार के सदस्य मुझे जाने नहीं दे रहे थे और बच्चे के समान रोने लगे और मुझे विवश करू दिया कि मैं प्रभु यीशु मसीह से वहीं प्रार्थना करूं वह स्वर्गीय पिता के विशेष चंगाई के स्पर्श के लिए उन पर दया करे।

अंत में मैंने उनकी बात मानी और एक जगह पर उन सभों को इकट्ठा किया और प्रभु की ओर से साहस पाकर उन्हें बताया कि प्रभु यीशु मसीह विपत्ति, समस्याओं और खतरों के समयों में मानव जीवन में क्या कर सकता है। हमने उस स्त्री की चंगाई के लिए एक साथ मिलकर प्रार्थना की। हमारी प्रार्थना समाप्त हुई और हमने अपनी आंखें खोलते ही एक मनुष्य को अपने सहायकों के साथ हमारी ओर आते देखा। वह मेरे पास आया और उसने मुझसे हाथ मिलाए और उस चंगाई को याद किया जो पन्द्रह साल पहले उसके बेटे ने मेरी प्रार्थनाओं से प्राप्त की थी। उसने मुझसे पूछा कि मैं भीड के साथ क्यों खड़ा हूं।

मैंने उस महिला की तत्काल ज़रूरत के बारे में बताया जो जीवन और मौत से लड़ रही थी। उसने उत्तर दिया, "भाई सैम, मैं इस विभाग का मुख्य डॉक्टर हूं। आपका रोगी मेरे सहयोगियों की निगरानी में है। अब मैं व्यक्तिगत तौर पर जाकर जो ज़रूरी है वह करूंगा और देखूंगा कि उसकी तत्काल चंगाई के लिए उसे उचित उपचार प्रदान करूंगा।" उसने मुझसे यह भी कहा कि मैं पूर्ण विश्वास के साथ उस स्थान से जाऊं।

कुछ समय बाद, उस परिवार के सदस्य मेरे पास खुशखबर लेकर आए कि उसका ऑपरेशन सफल हुआ है और उस पर और उपचार चल रहा है और वह चंगी हो गई है। परमेश्वर ने हमारी प्रार्थना सुनी और उसे आवश्यक उपचार देने के लिए सही व्यक्ति को भेजा। प्रभु और उद्धारकर्ता यीशु मसीह के नाम में जो आशीष उन्होंने पाई उसके लिए वे विश्वासयोग्य और ध न्यवादी हैं।

प्रिय पाठक, वही परमेश्वर आपके लिए आज भी उपलब्ध है। अपने मार्गो को उसके हाथों में सौंप दें और उसे अपना परमेश्वर और उद्धारकर्ता अंगीकार करें। वह आपको अनाथ नहीं छोड़ेगा और वह अवश्य ही आपके पास आएगा और आपका ध्यान रखेगा (यूहन्ना १४:१८)। परमेश्वर आपको आशीष दे।

"जो कोई बुध्दिमान हो, वह इन बातों पर ध्यान करेगा"
(भजन १०७:४३)

"परन्तु तुम्हारा शोक आनन्द बन जाएगा।" (यूहन्ना १६:२०)

"जो कोई बुध्दिमान हो, वह इन बातों पर ध्यान करेगा"
(भजन १०७:४३)

एको ऑफ हिज़ कॉल,
चेन्नई

WARDEN WANTED

हमें वॉर्डन के रूप में हिंदी और अंग्रेज़ी का ज्ञान रखने वाले ईश्वरविज्ञानी की नहेमायाह रेसिडेन्शल बाइबल कॉलेज में ज़रूरत है। वेतन, निवास और भोजन दिया जाएगा।

संपर्क :
Pr. Sam Selva Raj.
Cell : 98412 71858 /
98410 71858
E.Mail :
sam@echoofhiscall.org

RNI.No.63656/95, Postal Regn.No.TN/CH/(C)/202/21-23 WPP.No.TN/PMG(CCR)/WPP-222/21-23

...पृष्ठ 9 से आगे...

साथ सम्बंध रखना चाहते थे। मुकदमे के बाद उसे राज्य द्वारा चोरों के साथ मौत की सजा सुनाई गई। केवल एक दिलदार दोस्त ने उसे अपनी कब्रिस्तान की ज़मीन दी, इसलिए उसके पास दफनाए जाने के लिए जगह थी। यह सब कुछ बीस सदियों पहले हुआ, लेकिन आज भी वह मानवजाति में प्रमुख व्यक्ति है, और प्रेम की अंतिम मिसाल है।

यह कहना कोई बड़ी बात नहीं होगी कि जिन्होंने कभी कूच नहीं किया ऐसी फौजें, जो कभी समुद्री यात्रा पर नहीं निकली ऐसी नौसेनाएं, अधिकार चलाने वाले सभी अधिकारी, शासन करने वाले सारे राजा - आदि ने एक साथ मिलकर पृथ्वी पर रहने वाले मनुष्य के जीवन पर जितना प्रभाव नहीं डाला जितना कि इस एक अकेले जीवन ने (फ्रेड बॉक)।

दो हज़ार साल पहले जब यीशु इस पृथ्वी पर चलता-फिरता रहा, तब उसने विभिन्न प्रकार के

जब हम इन विचारों को आज अपनी संस्कृति में लागू करते हैं, तो हम पाते हैं कि जीवन के अनुप्रयोग पर ज़ोर यह है कि हमें क्या सुनने की ज़रूरत है। आज लौकिक जगत में परिचय पत्र पर असामान्य ज़ोर दिया जा रहा है। यीशु परिचय पत्र के खिलाफ नहीं था, परंतु उसका कहना यहां पर हमें यह याद दिलाना नहीं है कि ज़रूरी नहीं कि परिचय पत्र योग्यताएं हों। परिचय पत्र कहते हैं कि हम योग्य नहीं हैं, परंतु अंततः हमारा कार्य ही इस सच्चाई को दिखाता है कि हम योग्यता प्राप्त हैं। इसीलिए उत्तम संक्षेप न केवल हमारे परिचय पत्रों को सूचीबद्ध करता है जो कहते हैं कि हम योग्यता प्राप्त हैं, परंतु हमारे "ट्रॅक रिकार्ड" या अनुभव को भी रेखांकित करता है जो साबित करता है कि हम वास्तव में योग्यता पाए हुए हैं! संस्थागत मसीहियों का संसार

उन्हें कभी नहीं जानता था और उन्होंने पिता की इच्छा पूरी नहीं की। उसने पहाड़ पर हमें यह बताकर अपने शिक्षा समाप्त की कि कार्य के बिना अंगीकार बिना बुनियाद के घर है, परंतु कार्य के साथ अंगीकार मज़बूत चट्टान की बुनियाद पर बना घर है जो जीवन की आंधियों के समान मज़बूती से खड़ा रहेगा।

यीशु उत्तम शिक्षक था, और उसने शिक्षा पर ज़ोर दिया। इन सुसमाचारों के एक तिहाई में, जैसा कि हमने पहले बताया, यीशु की शिक्षा है। इसलिए उसने महसूस किया कि हम क्या विश्वास करते हैं वह महत्वपूर्ण है। दूसरे शब्दों में उसने राज्य के प्रचार को बहुत महत्व दिया। यहां पर उसका कहना यह प्रतीत होता है कि कार्य के बिना अंगीकार प्रचार का विपर्यय है।

ECHO OF HIS CALL

Monthly magazines in 16 languages, Bible Colleges, Postal Courses, Church Planting, Village English High School, Gospel Printing Press, Crusades, Seminars, Social Services, etc.

Annual Subscription : Rs. 100/- **Life Subscription : Rs. 2000/-**

The multifarious activities of **Echo of His Call Ministries** is supported by the free-will offerings and donations of the God's Children like you. You may support **Echo of His Call** and its activities as the Lord leads you. We need your help to send forth the Gospel to the unreached people and plant Churches.

If you would like to receive **ECHO OF HIS CALL** magazines regularly, please write to us. `Whenever you change your postal or E.mail addresses, please do inform us your old and new addresses.

Echo of His Call is available in 16 languages in our websites also. You can read them by going into the site as well as downloading them and get blessed.

Your letters, prayer requests and your financial helps (**Money Orders, Cheques or Demand Drafts, NEFT, PayPal (Sam Selva Raj, sam@echoofhiscall.org) PhonePe (98410 71858), Gpay (98410 71858), Western Union, MoneyGram**) to **ECHO OF HIS CALL** may please be sent to the address below.

Please send your **Land Phone / Mobile Phone Numbers and E.mail addresses** for updation.

ECHO OF HIS CALL, 10, Mohammed Abdullah 2nd Street, Chepauk, Chennai - 600 005, India
PH: (+91-44) 2852 8282, 2852 9293, 2854 7766, Cell: (+91) 98410 71852, 95661 31858 / E.mails: sam@echoofhiscall.org / biblecor@yahoo.co.in / Websites: www.echoofhiscall.org / www.echoofhiscall.com

YOU CAN SEND YOUR DONATIONS BY ONLINE ALSO

Regd. with the RNI under No . 63656/95
Licenced to post without pre-payment
Postal Regn. No. TN/CH (C) /202/21-23
Licence No. WPP. No. TN/PMG(CCR)/WPP-222/21-23
Date of Publication: Second week of every month
Date of Posting : 8th & 9th of every month
Posted at "Egmore RMS / 1 Patrika Channel"
on 9th JUNE, 2021
If un-delivered please return to:
ECHO OF HIS CALL (HINDI)
P.O. Box No. 2957, Chepauk, Chennai - 600 005, INDIA.
Phone: (+ 91- 44) 2852 8282, 2852 9293, 2854 7766

JESUS LOVES YOU!

To

GOD BLESS YOU!

Owned and published by **S. Sam Selva Raj** from 18, Mohammed Abdullah Sahib Street, Chepauk, Chennai-600 005 and printed by him at **Echo of His Call Printers** 18, Mohammed Abdullah Sahib Street, Chepauk, Chennai-600 005. Editor: **S. Sam Selva Raj.**